

मर्मांतक वि. (तत्.) 1. भीतर के संवेदनशील अंग-प्रत्यंग को भेदने वाला, मर्मभेदी 2. रहस्य के अंतिम बिंदु तक पहुँचने वाला।

मर्माघात पुं. (तत्.) 1. किसी संवेदनशील अंग पर प्रहार की क्रिया या भाव 2. हृदय पर आघात 3. असहनीय बात।

मर्मन्वेषण पुं. (तत्.) 1. रहस्य अथवा आशय की खोज करने की क्रिया 2. किसी रचना का मुख्य संदेश प्रकट करने का भाव।

मर्माहत वि. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जिसके अस्तित्व पर आघात किया गया हो 2. जिसके हृदय को काफी चोट पहुँची हो।

मर्मी वि. (तत्.) 1. मर्म की बात जानने वाला, तत्त्व की बात जानने वाला, तत्त्वज्ञ 2. गुप्त बात का ज्ञाता।

मर्मोद्घाटन पुं. (तत्.) रहस्य प्रकट करने का कार्य, गुप्त बात को उद्घाटित करने का कार्य।

मर्म्य पुं. (तत्.) जीवधारी मानव, मनुष्य, आदमी।

मर्याद पुं. (तत्.) 1. किसी संस्कार में की जाने वाली रीतियाँ, रीति-रिवाज, रंग-ढंग 2. सीमा, नदी के संबंध में उसके दो किनारे 3. अंत, छोर, सिरा 4. गौरव, प्रतिष्ठा।

मर्यादा स्त्री. (तत्.) 1. समाज में स्वीकृत शिष्ट आचार-विचार की सीमाएँ, सदाचार और सद्व्यवहार की सीमा 2. अंत, छोर, सिरा 3. नदी का किनारा 4. प्रतिष्ठा, गौरव।

मर्यादागिरि पुं. (तत्.) देश की सीमा पर स्थित पर्वत, मर्यादा पर्वत।

मर्यादानुसार पुं. (तत्.) 1. सीमा में, अवधि के अंतर्गत या हृद के भीतर 2. प्रतिज्ञानुसार 3. करार के अंदर 4. नियम के भीतर, सदाचार एवं मान या गौरव तथा प्रतिष्ठा के अनुकूल, परंपरा या धर्म के अनुसार 5. नदी के किनारे को बिना पार किए उसके भीतर।

मर्यादापालक वि. (तत्.) मर्यादा अथवा धर्म या नियम एवं सदाचार तथा प्रतिष्ठा का पालन करने वाला।

मर्यादापुरुषोत्तम पुं. (तत्.) मर्यादा एवं धर्म आदि का पालन करने वाले गुणीजनों में उत्तम श्रेणी का पुरुष, भगवान राम के लिए सामान्यतः प्रयुक्त शब्द।

मर्यादित वि. (तत्.) 1. जिसकी सीमा या हृद निश्चित हो और वह उसका उल्लंघन न करे जो अपनी मर्यादा या सीमा के भीतर ही कार्य या व्यापार आदि करता हो, जिसने मर्यादा न छोड़ी हो, मर्यादा वाला, मर्यादायुक्त।

मर्यादी वि. (तत्.) मर्यादित, सीमित, मर्यादायुक्त, मर्यादाशील, मर्यादापूर्ण, जो अपनी मर्यादा या प्रतिष्ठा अथवा धर्म के अनुसार ही कार्य करता है।

मर्ष पुं. (तत्.) 1. सहन, श्रान्ति, धैर्य 2. क्षमा, सहिष्णुता।

मर्षण पुं. (तत्.) 1. क्षमा करना, माफी सहना 2. रगड़, घर्षण।

मलंग पुं. (फा.) 1. मुसलमानों में एक विशेष संप्रदाय अथवा पंथ के फकीर 2. एक पक्षी का नाम, मलिंग, सफेद रंग का बड़ा बगुला वि. (फा.) निश्चित, मस्त, मनमौजी।

मलंगा वि. (फा.) दे. मलंग।

मल पुं. (तत्.) 1. मैल, गंदगी, कीट, शरीर के अंगों से निकलने वाला मैल या विकार यथा मूत्र, नाखून, कफ, पसीना, विष्ठा, पुरीष, गू, गूह, गलीज 2. दोष या विकार या पाप आदि अवांछित कर्म करने पर मन पर पड़ने वाला गलत संस्कार वि. (तत्.) दुष्ट, गंदा, क्षुद्र।

मलका स्त्री. (अर.) 1. बादशाह की पटरानी, महारानी 2. एक द्रविडल अन्न, यह बिना छिलके वाली होकर मसूर की दाल या 'मलका मसूर' कही जाती है।

मलकीट पुं. (तत्.) 1. नाली का कीड़ा, मल में, गंदी वस्तुओं में या गंदे स्थानों में रहने वाला कीड़ा 2. अत्यंत नीच प्रकृति या स्वभाव वाला व्यक्ति।